

शाखा का नाम :
 बैंक का नाम :
 ब्लाक नाम :
 जिला :
 राज्य :

माह 20 ----- के लिए प्रगति रिपोर्ट

ऋणों की संख्या -वास्तविक* ₹ लाख

| क्रम सं. | बचत खातों के साथ एसएचजी की संख्या | | | इस माह में क्रेडिट-सहलग्न एसएचजी | | | | | | बकाया ऋण | |
|----------|-----------------------------------|----------------------------|-----------------------|----------------------------------|----------------|----------------|----------------|--------------------|--------------------|----------------|----------------|
| | | | | नए ऋण | | दुबारा ऋण | | संचयी | | | |
| | पिछले माह तक कुल बचत खाते | इस माह में खोले गए नए खाते | संचयी | ऋणों की संख्या | संवितरित राशि* | ऋणों की संख्या | संवितरित राशि* | ऋणों की संख्या | संवितरित राशि* | ऋणों की संख्या | संवितरित राशि* |
| | 1(क) | 1(ख) | 1(ग) = 1(क) + 1(ख) | 2(क) | 2(ख) | 3 (क) | 3 (ख) | 4(क)=2(क) +3(क) | 4(ख)=2(ख) +3(ख) | 5(क) | 5(ख) |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |

* नए ऋण : प्रथम सहलग्न ऋणों को नए ऋण के रूप में माना जाए

*दूसरे और तीसरे सहलग्नता की दुबारा वित्त के अंतर्गत गणना की जाए

*बकाया ऋण 5(क) और 5 (ख) में माह में संवितरित संचयी ऋण अर्थात् 5(ख) =4(ख) +पिछले माह तक बकाया ऋण शामिल होगा।